

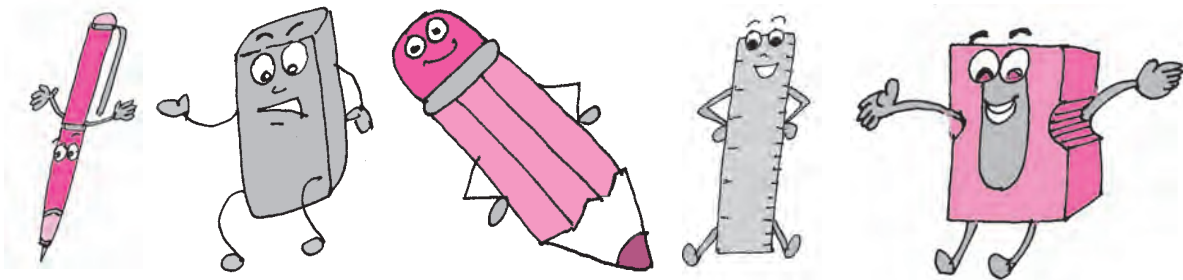
* शब्दार्थ *

पहली इकाई

२. हवा : इठलाना = इतराना; चंचल = अस्थिर; ठुमकना = नृत्य की मुद्रा में चलना;
मटकना = अंग हिलाकर चलना; दुलारना = लाड़-प्यार करना; तड़के = प्रातःकाल, सवेरा ।
८. माँ : प्रारूप = आकार; सुरूप = सुंदर रूप; ब्रह्मांड = विश्व ।
९. मोती जैसे दाँत : शीत = ठंडा; झँझोड़ना = जोर से हिलाना ।
- पुनरावर्तन- १ : खार = काँटा; मेघा = बादल; मेधा = बुद्धि; सेर = वजन करने की पुरानी इकाई; चारण = स्तुति करने वाला; उघाड़ = खोलना; सरपत = एक प्रकार की घास ।
- पुनरावर्तन- २ : बेल = लता; ओज = तेज; छत्र = छत, छाता; रिपु = शत्रु;
कसौटी = परीक्षा, जाँच, परख; झाँझ = एक तरह का ताल वाद्य ।

दूसरी इकाई

२. लालची कुत्ता : पटरा = लकड़ी का चौरस टुकड़ा, पाटा; हथियाना = हड़पना;
भौंचक्का = आश्चर्यचकित; मुँहबाय = मुँह फैलाकर; बलाय = बला, संकट ।
३. खिचड़ी : कारनामा = बड़ा कार्य; हँडिया = हंडी; आँच = गरमी ।
५. जुड़े हम : अग्रसर = आगे बढ़ा हुआ; रफ्तार = गति; संपदा = संपत्ति, धन ।
९. भारत : अनुपम = बेजोड़; अजूबा = आश्चर्य में डालने वाला; दूजा = दूसरा;
मुँड़ेर = छत के ऊपर कम ऊँचाई की दीवार; प्रभाती = सुबह के समय गाने वाला गीत ।
१३. (ब) छुक-छुक गाड़ी : भाद्रपद = भादों; अग्रहायण = अगहन; फाल्गुन = फागुन ।
१४. निरीक्षण : स्वस्थ = निरोगी, तंदुरुस्त; निष्कर्ष = निचोड़ ।
- पुनरावर्तन- ३ : झंझावात = तेज आँधी; पंथ = मार्ग; गुंफन = गुँथा हुआ ।

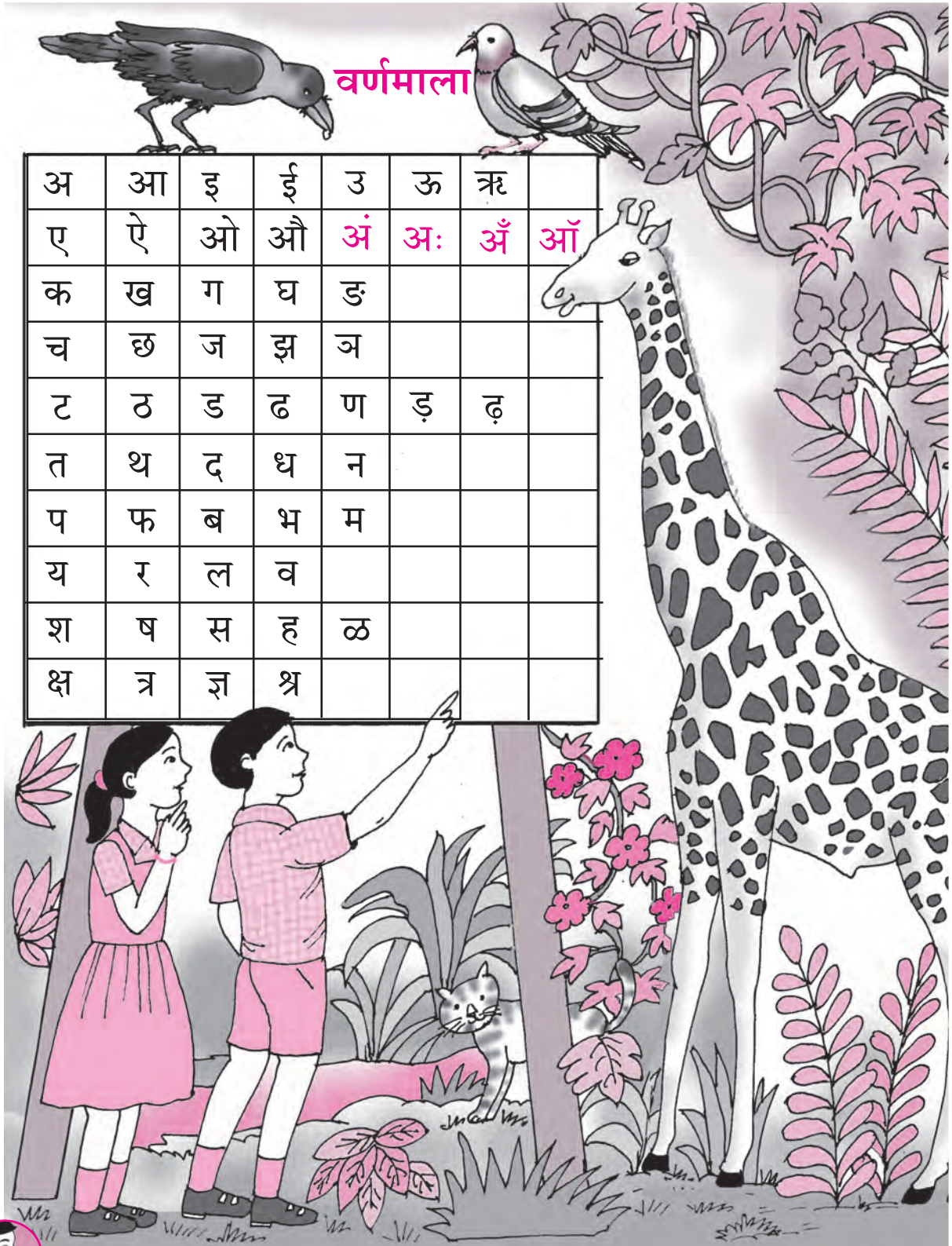


* उत्तर *

पुनरावर्तन -२, पृष्ठ क्र. १८, प्रश्न ४ का उत्तर :

आम, पीपल, कमल, नीम, अंगूर, शमी, अशोक, गुलाब, इमली, बेल, केला, गुड़हल, नारियल ।

- लिखो, पढ़ो और सुनाओ :



१. वर्णमाला क्रम से पढ़कर सुनाओ ।



२. 'क' की बारहखड़ी लिखकर पढ़ो ।